Title: Regarding flood situation in Bihar.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, बिहार में एक महीने के अंदर दोबारा बाढ़ से भयावह स्थिति पैदा हो गई है। गंगा, कोसी, कमला बालान, गंडक आदि सारी की सारी नदियां अपने खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और कई बांध टूट गए हैं। मधुबनी में, कुरसेला और कटिहार में कई बांध टूट चुके हैं। कुरसेला में सैंकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं। वहां लाखों किसान सड़क पर हैं। काढा गोला स्टेशन गंगा नदी से मात्र दो किलो मीटर की दूरी पर रह गया है। इसी तरह मनिहारी का स्टेशन भी मात्र एक किलो मीटर दूर बचा है। गोपालगंज, जो कि वहां की मुख्य मंत्री का गृह जनपद है, दोबारा बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है। रक्सौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर की स्थिति भी दयनीय है। दरभंगा की स्थिति तो बुरी तरह से प्रभावित हुई है कि उसकी व्याख्या करना भी मुश्किल है। केन्द्र से जो टीम वहां भेजी गई थी, उसने कहा है कि बिहार सरकार वहां कोई काम ठीक ढंग से नहीं कर रही है। वहां के सिंचाई मंत्री की लापरवाही के कारण और अन्य मंत्रियों की लापरवाही के कारण हर साल बांध टूटते हैं, समस्या का निदान नहीं होता। हम भी सदन में बोल लेते हैं, चले जाते हैं, राजनीति हो जाती है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा कि समस्या के सही निदान के लिए, बिहार को बाढ़ और सुखाड़ से बचाने के लिए भारत सरकार के मंत्री के साथ आप बिहार के सांसदों को बुलाकर बैठक कराएं और इस समस्या का निदान कराएं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : अध्यक्ष महोदय, मेरा क्षेत्र बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

अध्यक्ष महोदय : आप भी अपने को इसके साथ एसोसिएट करें।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : पप्पू यादव जी आपने अपनी बात कह दी। शून्य काल में दो-तीन मिनट से ज्यादा मामले को रेज नहीं करना चाहिए। बाकी सदस्यों को भी बोलने का मौका दें।